University in News on 07 July 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

17 साल बाद लखनऊ विवि में शुरू होगी पोस्ट डॉक्टोरल

माई सिटी रिपोर्टर

पीएचडी के साथ ही पोस्ट डॉक्टोरल का नया आर्डिनेंस भी हो रहा है तैयार, वर्ष 2008 में आखिरी बार हुए थे डी.लिट. के दाखिले

■ शोधार्थी नहीं ले पाते पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप

शोध को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और सामाजिक विज्ञान दोनों ही क्षेत्र में कई संस्थान पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान करते हैं। पीएचडी के बाद काफी शोधार्थी और यहां तक लविवि के कई शिक्षक भी पोस्ट डॉक्टोरल शोध करना चाहते हैं, लेकिन आर्डिनेंस न होने से इसकी शुरुआत नहीं हो पा रही है। अब नया आर्डिनेंस बनने जा रहा है, शोधार्थी और शिक्षक दोनों के लिए अच्छी खबर है।

> विश्वविद्यालय में पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च का नया आर्डिनेंस तैयार हो रहा है। सभी समितियों से पास होने के बाद इसे कार्य परिषद के सामने रखा जाएगा। पूरा प्रयास है कि इस साल यहां डी.लिट. के दाखिलों की शुरुआत हो जाएगी।
> - प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन एकेडमिक्स, लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 17 साल बाद पोस्ट डॉक्टोरल (डी.लिट.) के दाखिले शुरू होने जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में आखिरी बार वर्ष 2008 में पोस्ट डॉक्टोरल के दाखिले शुरू हुए थे। इसका नया आर्डिनेंस तैयार हो चुका है। इसी महीने इसे विभिन्न शैक्षणिक समितियों के सामने रखा जाएगा।

लविवि में वर्ष 2008 में नए पीएचडी आर्डिनेंस बनाने के दौरान पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दाखिलों पर मौखिक रोक लगाई थी। एक बार इस पर रोक लगी तो दोबारा शुरू होने की नौबत ही नहीं आई। इस साल लविवि प्रशासन ने पीएचडी आर्डिनेंस के साथ ही डी.लिट. का आर्डिनेंस तैयार किया है। इसके बाद इस साल पीएचडी के साथ ही डी.लिट. के दाखिलों की शुरुआत भी हो जाएगी।

डी.लिट. की उपाधि इस समय विवि या किसी अन्य संस्थान में नियुक्ति के लिए अनिवार्य अर्हता नहीं है। शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए शोधार्थी डी.लिट. करते हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों में डी.लिट. का काफी महत्व है। विवि से डी.लिट. की उपाधि प्राप्त करने के बाद शोधार्थियों के पास विदेशी विश्वविद्यालयों में नियुक्ति और शोध संस्थानों से जुड़ने का अच्छा मौका होता है। इसलिए पीएचडी के बाद शोधार्थी पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च करना चाहते हैं। लविवि में दोबारा इसकी पढ़ाई शुरू होने पर शोधार्थियों के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

NBT PAGE 06

LU, नेशनल, KKC में आज आवेदन का अंतिम दिन

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के पीजी पाठ्यक्रमों में अगर आप दाखिला लेना चाहता हैं तो सोमवार को आपके पास अंतिम मौका है। एलयू में आवेदन करने की अंतिम तारीख 7 जुलाई है। इसके अलावा नैशनल पीजी कॉलेज व जय नारायण पीजी कॉलेज में सभी कोर्सों के लिए सोमवार तक आवेदन फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे।

नेशनल में दस जुलाई से प्रवेश परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं ऐसे में अब आवेदन की तारीख में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। वहीं एलयू के पीजी में के लिए दो बार तारीख बढ़ाई जा चुकी है। ऐसे में वहां भी अब काउंसलिंग शुरू होगी। केकेसी में आवेदनों की संख्या के हिसाब से कॉलेज प्रशासन की ओर से निर्णय लिया जाएगा कि अंतिम तारीख आगे बढ़ानी है या नहीं।

i-NEXT PAGE 4

एलयू में बनेगी इंडस्ट्री रिलेशन सेल

स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री से जोड़ने और बेहतर करियर ऑप्शन दिलवाने में मिलेगी मदद

LUCKNOW (6 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स को टेक्नलॉजी, इनोवेशन के साथ इंडस्ट्री से जोड़ने और तमाम सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीज से रूबरू करवाने के लिए नए-नए प्रोग्राम लांच कर रही है. जल्द यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के लिए तीन नई सेल का गठन करने जा रही है. जिसके अंतर्गत न सिर्फ स्टूडेंट्स एनवायरमेंट और सस्टेनेबिलिटी के बारे में जानेंगे बल्कि इंडस्ट्री और उसकी जरूरतों से भी रूबरू होंगे. यूनिवर्सिटी में हुई कार्यपरिषद की बैठक में तीन नई सेल तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है. जिसके अंतर्गत कम्युनिटी कनेक्ट सेल, इंडस्ट्री रिलेशन सेल और सस्टेनेबिलिटी डेवलपमेंट गोल सेल का गठन होगा.

स्टूडेंट्स को होगा फायदा

कम्युनिटी कनेक्ट सेल के अंतर्गत यूनिवर्सिटी की आउटरीच को बढ़ाते हुए कम्युनिटी के लोगों को जोड़ा जाएगा.

एनवायरमेंट है जरूरी

एनवायरमेंट और उसे सहेजने की जरूरत को देखते हुए सस्टेनेबिलिटी डेवलपमेंट गोल सेल भी तैयार की जाएगी. इसके अंतर्गत एक्टिविटीज के अलावा जरूरी प्वाइंट्स को सिलेबस में एड किया जाएगा. जिससे स्टूडेंट्स एनवायरमेंट और उनकी जरूरतों को समझ कर सस्टेनेबिलिटी की तरफ कदम बढ़ा सकें.

इसके साथ ही अभी तक यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स की ग्रोथ से रिलेटेड सभी प्रोग्राम्स में इंडस्ट्री के लोगों को जोड़ा जाता है लेकिन अब इंडस्ट्री को इस सेल में शामिल करके इंडस्ट्री रिलेशन सेल बनाया जाएगा.

AMRIT VICHAR PAGE 07

समसामयिक और सामान्य ज्ञान के प्रश्न अहम

लविवि में बीएससी (बायो) और बीएलएड की प्रवेश परीक्षा आज, 90 मिनट में देने होंगे 100 उत्तर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश की परीक्षाएं शनिवार से आरंभ हो गई हैं। सोमवार को बीएससी (बायो) और डीएलएड में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की गई है। शनिवार को आयोजित परीक्षा में करीब 30 प्रतिशत प्रश्न समसामयिक घटनाओं और सामान्य ज्ञान की परख संबंधित थे। शेष प्रश्न विषयगत पाठ्यक्रम आधारित थे, लेकिन विशेषज्ञ शिक्षकों का कहना है कि अभ्यर्थी सामान्य ज्ञान और सामयिक घटनाओं से संबंधित प्रश्नों को गंभीरता से लें। मेरिट तय करने में कठिन प्रश्न ही अधिक भूमिका निभाते हैं।

पहले दिन की डीफार्मा की प्रवेश परीक्षा में 70 प्रतिशत छात्र शामिल हुए, जबकि बीएससी एग्रीकल्चर में छात्रों की उपस्थिति 66 प्रतिशत ही रही। विश्वविद्यालय में डीफार्मा में 60 तो बीएससी एग्रीकल्चर में 120 सीटों पर प्रवेश किया जाना है। पहले दिन की परीक्षा में प्रतिकुलपति डॉ. मनुका खन्ना समेत विश्वविद्यालय प्रशासन के सभी शिक्षक लगातार परीक्षा कक्षों का भ्रमण करते रहे। पहले दिन की परीक्षा के देकर आए छात्रों का कहना था कि प्रश्नपत्र न कठिन ना ही आसान था बल्कि इसे मॉडरेट कहा जा सकता है। सामान्य ज्ञान और सामयिक घटनाओं पर आधारित प्रश्नों को अवश्य पढ़ लें। इसके लिए अभ्यर्थी पिछले तीन माह में घटित घटनाओं पर एक नजर डाल लें। प्रदेश और राष्ट्रीय योजनाओं, प्रमुख व्यक्तियों, चर्चित घटनाओं, चर्चा में रहे देश आदि के बारे में सामान्य जानकारी अवश्य कर लें।

लविवि एनसीसी गर्ल्स कैडेट ने अरुणाचल में कोर्स किया पूरा

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय की एनसीसी 64 बटालियन की गर्ल्स कैडेट ने अरुणाचल प्रदेश में आयोजित एडवेंचर कोर्स कैंप पूरा कर लिया। कैंप का आयोजन 21 से 30 जून तक किया गया। 64 यूपी बटालियन एनसीसी की कैडेट लांस कॉर्पोरल सिमरन पांडे ने भी सक्रिय सहभागिता की। 22 को सर्वाइवल तकनीकों पर आधारित व्याख्यान हुआ। 23 जून को डिरांग की सुप्रसिद्ध मठ तक 12 किलोमीटर की ट्रैकिंग, तथा 24 जून को एशिया की 22 फीट ऊंची कृत्रिम दीवार पर आर्टिफिशियल वॉल क्लाइम्बिंग की गई। 25 को 15 किलोमीटर लंबी ट्रैकिंग से कैडेट्स ने प्राचीन मठ का अवलोकन किया। 26 को ऑब्स्टेकल ट्रेनिंग और रोप क्लास आयोजित की गईं। 27 को कैडेट्स ने 8 से 10 किलोमीटर की ट्रैकिंग की। 28 को 500 मीटर लंबी ज़िप लाइनिंग ने साहसिक गतिविधियों को नया आयाम प्रदान किया। 30 को शिविर का समापन हो गया।

JAGRAN CITY PAGE III

नए सत्र की पढ़ाई 14 से, समय सारिणी तय

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 12 जुलाई को ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त हो जाएगा। 13 जुलाई को रविवार है। ऐसे में 14 जुलाई से नए सत्र 2025-26 में स्नातक तीसरे, पांचवें, सातवें, परास्नातक तीसरे सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। इसको लेकर विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के ज्यादातर विभागों में कक्षाओं के लिए समय सारिणी तय हो गई है। शिक्षकों को भी इसकी सूचना दे दी गई है ताकि विश्वविद्यालय खुलते ही पहले दिन से कक्षाएं शुरू हो सकें।

जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि टाइम टेबल एंड सिलेबस एडवाइजरी कमेटी की बैठक कर कक्षाओं की समय सारिणी तय कर दी गई है। 14 जुलाई से स्नातक तीसरे, पांचवें और परास्नातक तीसरे सेमेस्टर की कक्षाएं शुरू होंगी। प्रत्येक सहायक प्रोफेसर को सप्ताह में छह, एसोसिएट को पांच और प्रोफेसर को चार प्रैक्टिकल कराने होंगे। यह भी तय हो गया है कि कौन कितनी थ्योरी क्लास लेगा। जंतु विज्ञान में सत्र की शुरुआत पहले दिन सुबह 7:30 बजे प्रैक्टिकल क्लास से होगी। उसी दिन से रसायन विज्ञान विभाग में कक्षाएं शुरू होंगी।

लवि : बीएससी तीसरे पांचवें, सातवें सेमेस्टर में प्रवेश 11 तक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी (एनईपी) तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर में प्रवेश शुरू कर दिए हैं। विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर शीला मिश्रा ने इसका नोटिफिकेशन जारी किया है।

सत्र 2024-25 में बी.एससी (एनईपी) छठे सेमेस्टर के उत्तीर्ण ऐसे छात्र-छात्राएं जिन्होंने 7.5 सीजीपीए (कम्युनेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज) अंक प्राप्त किए हैं, सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र हैं। उन सभी को 11 जुलाई तक अपना प्रवेश सुनिश्चित कराना होगा। जारी सूचना के अनुसार ऐसे सभी विद्यार्थियों को काउंसिलिंग फार्म (जिस पर अपना पूर्व का सेक्शन लिखना अनिवार्य है), छठे सेमेस्टर की अंकतालिका व फीस रसीद की छायाप्रति अनिवार्य रूप से लेकर आना है। वहीं, सत्र 2024-25 के बी.एससी (एनईपी) दूसरे सेमेस्टर के उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं का तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश भी 11 जुलाई तक निर्धारित किया गया है। उनको निर्देश दिए गए हैं कि काउंसिलिंग फार्म, दूसरे सेमेस्टर की अंकतालिका और फीस रसीद लेकर आना अनिवार्य होगा।